



१२७

आरत का गज़त पत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 39] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 22, 1992/माघ 2, 1913

No. 39] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 22, 1992/MAGHA 2, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पञ्च)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1992

सा. का. नि. 61(अ).—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38)
की धारा 3 की उपधारा (i) के खंड (ग) के उप खंड (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा मुरांग तकन से संबंधित भारत सरकार, जल-

भूतल परिवहन मंत्रालय (पत्तन पथ) की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 123(अ) दिनांक 7 मार्च, 1990 में निम्नलिखित संशोधन करती है।

उक्त अधिसूचना की नीचे दी गई तालिका में (क) प्रविष्टि “जन-भूतल परिवहन मंत्रालय” के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि स्थापित की जाएः—

नियुक्त किए जाने वाले हित

नियुक्त किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या

अन्य हित

1

(ख) कालन (2) में “कुल” शब्द के मामले अंक “7” के स्थान पर अंक “8” प्रतिस्थापित किया जाए।

[का. सं. पी. टी.-18011 / 6/89-पी ई (i)]

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 22nd January, 1992

G.S.R. 61(E).—In exercise of the powers conferred by the sub-clause (i) of clause (c) of sub-section (1) of Section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) the Central Government makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 123(E) dated 7th March, 1990 relating to the Port of Mormugao.

In the Table below the said notification (a) after the entry “Ministry of Surface Transport” the following entry shall be inserted namely:—

Interests to be appointed	No. of persons to be appointed
Other Interests	1
(b) against the word ‘total’ in the column (2) for the figure ‘7’ the figure ‘8’ shall be substituted.	

[F. No. PT-18011|6|89-PT(i)]

मा. का. नि. 62(अ).— महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 3 की उपधारा (6) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ग) के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त गतिविधियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा भुरगांव पत्तन के न्यासी मंडल में “अन्य हितों” का प्रतिनिधित्व करने के लिए श्री मुकेश जैन को नियुक्त करती हैं और भारत सरकार, जल-भूतल परिवहन संज्ञालय (पत्तन पक्ष) की दिनांक 31-3-90 फी अधिभूतना संख्या मा. का. नि. 430(अ) में निर्मार्गायत्र संशोधन करती है।

2. उक्त अधिभूतना में अन्य संख्या 16 और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित अम संख्या और प्रविष्टि शामिल की जाएगा यथात् :—

17. श्री मुकेश जैन

“अन्य हितों” का प्रतिनिधित्व करने के लिए,

3. न्यासी के रूप में श्री भुवेश जैन का कार्यकाल महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 7 (2) के उपबंधों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

[फा. सं. पी टो.-18011/6/89-पी टी (ii)]

श्रोतोक जौशी, संयुक्त सचिव

G.S.R. 62(E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (i) of clause (c) of sub-section (1) of section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) read with sub-section (6) of the said section, the Central Government hereby appoints Shri Mukesh Jain representing ‘Other Interests’ on the Board of Trustees for the Port of Mormugao and makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 430(E) dated 31-3-90.

2. In the said notification after serial No. 16 and the entry relating thereto the following serial number and entry shall be inserted namely :—

17. Shri Mukesh Jain Representing ‘Other Interests’.

3. The term of office of Shri Mukesh Jain as a Trustee will be regulated as per provisions of Section 7(2) of Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963).

[F. No. PT-18011|6|89-PT(ii)]
ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

